प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन पर आयोजित तीन–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

पन्तनगर। 6 मार्च, 2024। पन्तनगर विश्वविद्यालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वाधान में 'गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादनः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की रीढ़' विषय पर तीन–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन अनुसंधान निदेशालय द्वारा गांधी हाल में किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पद्म श्री डा. राम चेत चौधरी सचिव पीआरडीएफ, गोरखपुर; विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. के.पी. रावेरकर, संयोजक एवं निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन, आयोजन सचिव एवं संयुक्त निदेशक ना.ई.बो. फसल अनुसंधान केन्द्र डा. एस.के. वर्मा तथा प्राध्यापक, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग डा. ए.एस. जीना उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डा. राम चेत चौधरी द्वारा निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन एवं निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल को पुस्तक एवं डायरी प्रदान की गयी। उन्होंने बताया कि पन्तनगर का बीज पन्तनगर से जाना जाता है क्योंकि यहां के बीजों में शुद्धता अधिक होती है। उन्होंने बताया कि पन्तनगर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी कई विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर आसीन है। उन्होंने बताया कि इस समय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु अनेक सुविधा उपलब्ध है जिससे वे अपनी शिक्षा आसानी से कर सकते है। उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़े हुए विद्यार्थी जीवन के बारे में बताया तथा अच्छी गुणवत्तायुक्त बीजों से जुड़े तथ्यों के बारे में अपने विचार रखे।

डा. के.पी. रावेरकर ने बताया कि पहली बार उच्च गुणवत्तायुक्त बीज हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसके माध्यम से हमें और उच्च गुणवत्तायुक्त बीज का निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि 44 प्रतिशत ही भूमि कृषि योग्य है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में कीटनाशक दवाओं का अत्यधिक प्रयोग होने से वहां की फसल के उत्पादन में कमी आयी है। डा. जीना ने संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में आयोजित व्याख्यान एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं के बारे में बताया और विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में संगोष्ठी के संयोजक एवं निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन ने सभी का स्वागत करते हुए तीन–दिवसीय संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु सभी को बधाई देते हुए संगोष्ठी में हुए विभिन्न कार्यक्रमों की रूप–रेखा बतायी। संगोष्ठी के अंत में आयोजन सचिव एवं संयुक्त निदेशक ना.ई.बो. फसल अनुसंधान केन्द्र डा. एस.के. वर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। संगोष्ठी में विष्वविद्यालय के महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

संगोष्ठी में संबोधित करते मुख्य अतिथि पद्म श्री डा. राम चेत चौधरी।

निदेशक संचार